सुखशान्ति भवन, मोहाली - पंजाब में दिनांक: 5 तथा 6 नवम्बर, 2009 को आयोजित 'बेहतर प्रशासन के लिए आध्यात्मिकता की भूमिका' के विषय पर प्रशासकों के सम्मेलन का संक्षिप्त समाचार

मोहाली ब्रह्माकुमारीज़ सेवाकेन्द्र तथा प्रशासक सेवा प्रभाग द्वारा दिनांक: 5 एवं 6 नवम्बर, 2009 के दौरान प्रशासकों के लिए '**बेहतर प्रशासन के लिए आध्यात्मिकता की भूमिका**' के विषय पर सम्मेलन का आयोजन किया गया। इस सम्मेलन के दौरान मोहाली - रोपड के एरिया में 15 कार्यक्रम विभिन्न संस्थानों में विभिन्न विषयों जैसे तनावमुक्त जीवन के लिए मेडिटेशन की भूमिका, सम्बन्धों में मधुरता, मूल्यनिष्ठ प्रशासन, तनावमुक्त प्रशासन, सकारात्मक चिन्तन आदि आदि।

इस सम्मेलन का मुख्य कार्यक्रम मोहाली सेवाकेन्द्र के भव्य सभागार - सुख शान्ति भवन में 6 नवम्बर, 2009 को सायं 5-30 से 09-00 बज़े तक रखा गया। जिसमें मोहाली, चण्डीगढ़, रोपड़ तथा आसपास के लगभग 600 अधिकारीगण ने भाग लिया।

इस सम्मेलन का उद्घाटन **डॉ. बी.सी. गुप्ता**, आई.ए.एस., फाइनान्सीयल कमिश्नर, को-ऑपरेशन, पंजाब सरकार, चण्डीगढ़, **डॉ. जी. प्रसन्नाकुमार**, आई.ए.एस. फाइनान्सीयल कमिश्नर, पर्यावरण, हरियाणा सरकार, चण्डीगढ़, **भ्राता प्रभज्योत सिंह मन्द**, आई.ए.एस., डेप्यूटि कमिश्नर, एस.ए.एस.नगर, मोहाली, **भ्राता शिवरमन गौर**, आई.ए.एस., रजिस्ट्रार, को-ऑपरेटिव सोसाइटीज़,हरियाणा, चण्डीगढ़, **राजयोगिनी ब्रह्माकुमारी आशा बहन**, अध्यक्षा, प्रशासक सेवा प्रभाग, **राजयोगी ब्रह्माकुमार अमीरचन्द**, उपाध्यक्ष, समाज सेवा प्रभाग, चण्डीगढ़, **ब्रह्माकुमार हरीश भाई**, मुख्यालय को-ऑर्डिनेटर, प्रशासक सेवा प्रभाग, आबू पर्वत, **ब्रह्माकुमारी प्रेम बहन** तथा **ब्रह्माकुमारी रमा बहन, मोहाली**, ब्रह्माकुमारी बहनें **लीना बहन**, भूवनेश्वर, **वीणा बहन**, सीरसी, **रेणु बहन**, जोधपुर, **रंजना बहन**, ओ.आर.सी. आदि ने किया।

कार्यक्रम की शुरूआत में मोहाली ब्रह्माकुमारीज़ क्षेत्र की संचालिका **ब्रह्माकुमारी प्रेम बहन** ने आये हुए सभी मेहमानों का भावपूर्ण शब्दों से स्वागत किया।

सम्मेलन का उद्देश बताते हुए प्रशासक सेवा प्रभाग के मुख्यालय संयोजक **ब्रह्माकुमार हरीश भाई**, आबू पर्वत ने कहा कि, एक समय था, भारत का प्रशासन पूरे विश्व के लिए आदर्श था। जबकि आज के प्रशासन में कुछ त्रुटियां नज़र आ रही हैं। सेवा की भावना की जगह स्वार्थ, प्रेम की जगह केवल कायदे और दण्ड के आधार से प्रशासन हो रहा है। जबकि एक समय था, भारत में मूल्यनिष्ठ प्रशासन था, प्रेम, सेवा, सहयोग, दूसरों के कल्याण की भावना जैसे मूल्यों के आधार पर प्रशासन किया जाता था, जिसको आज तक हम रामराज्य के रूप में याद करते है और बापू गांधीजी का भी स्वप्न था कि यह भारत में रामराज्य आयें। फिर से हमें प्रशासन को बेहतर बनाना है, मूल्यनिष्ठ बनाना

है तो उसका एक ही आधार है - आध्यात्मिकता। आध्यात्मिकता से ही हमारे जीवन में मूल्यों को धारण करने की आध्यात्मिक शक्ति पैदा होती है, मनोबल पैदा होता है जिससे बुराईयों पर जीत, समस्याओं का सामना करने की ताकत, स्व पर शासन करने की कला प्राप्त होती हैं।

हरियाणा सरकार, चण्डीगढ़, **भ्राता प्रभज्योत सिंह मन्द**, आई.ए.एस., डेप्यूटि कमिश्नर, एस.ए.एस.नगर, मोहाली तथा भ्राता शिवरमन गौर, आई.ए.एस., रजिस्ट्रार, को-ऑपरेटिव सोसाइटीज़, हरियाणा, चण्डीगढ़ ने सम्मेलन की सफलता के लिए अपनी शुभ कामनायें प्रगट की और कहा कि प्रशासन को सुचारु रूप से चलाना है, लोकप्रिय शासक बनना है तो हमें जनता की सेवा करने की भावना विकसित करनी पड़ेगी।

सम्मेलन की मुख्य वक्ता **राजयोगिनी ब्रह्माकुमारी आशा बहन**, अध्यक्षा, प्रशासक सेवा प्रभाग, दिल्ली ने अपने प्रभावशाली एवं अनुभवयुक्त शब्दों द्वारा मुख्य वक्तव्य देते हुए कहा कि, प्रशासक समाज के मुख्य कर्णधार है। प्रशासन चल रहा है, लेकिन उसे कैसे बेहतर बनाया जा सके। मानव सहज स्वभाव है, इम्प्रुवमेन्ट का, हर क्षेत्र में कुछ नवीनता, कुछ अच्छा करने की तमन्ना रहती है। आध्यात्मिकता का अर्थ बताते हुए कहा कि, यह कोई पर्टीक्यूलर धर्म या फिलोसोफी की अन्डरस्टेन्डिंग नहीं, जो आपकी स्पीरीट, रूह, आत्मा के अन्दर है उसका विकास करना। परमात्मा ने अपने गुण, विशेषतायें, कलायें अपने में भी भरी है। इन्सानियत के गुणों को प्रत्यक्ष करना है। आज संसार से इन्सानियत कम होती जा रही है, इन्सान बढ़ते जा रहे हैं। आध्यात्मिकता हमारे में इन्सानियत जगाने का कार्य कर रहा है। जिस भी क्षेत्र में है, पहले इन्सान बनें। संसार से जायेंगे तब न अपने साथ पैसा, पोजिसन, स्टेटस कुछ नहीं जायेगा। अपने आप से पूछे मैं कौन? हमारा ध्यान केवल स्टान्डर्ड ऑफ लिविंग अच्छी हो उस तरफ रहता है। अपनी लाइट - आत्मा चली जाये तो कोई सम्बन्ध नहीं रहते। आध्यात्मिकता हमारी लाइफ को बेहतर बनाती है। क्योंकि हमारे अन्दर है वही हमारे कर्मक्षेत्र में दिखाई देता है। प्रशासन बद में, पहले अनुशासन सिखें। पांचों कर्मेन्द्रियों को अपने कन्ट्रोल में रखना सिखें। इससे व्यक्ति अपने सामने आने वाली समस्याओं का सहजता से सामना कर सकता है। इसके लिए हमें अपनी असली पहचान अजर, अमर, अविनाशी आत्मा, जो कर्मेन्द्रियों की मालिक राजा है, वह आवश्यक है। उन्होंने मूल्यों में भी बैलेन्स रखने के लिए बताया कि, प्रशासन में प्रेम भी हो, कायदा भी हो, फर्मनेस भी हो तो फ्लेक्सीबीलीटी भी हो, ह्यूमिलिटी भी हो तो ऑथोरीटी भी हो। और अन्त में बताया कि, मेडिटेशन हमारे जीवन में मूल्यों की धारणा में तथा मनोबल बढ़ाने में महत्वपूर्ण रोल अदा करता है।

दिल्ली प्रशासक सेवा प्रभाग की ज़ोनल को-ऑर्डिनेटर **ब्रह्माकुमारी उर्मिला बहन** ने बहुत सुन्दर रीति से सभी को मेडिटेशन का अभ्यास कराया।

राजयोगी ब्रह्माकुमार अमीरचन्द, उपाध्यक्ष, समाज सेवा प्रभाग, चण्डीगढ़ ने अपनी शुभ

प्रेरणायें देते हुए कहा कि, बहुत सी ऐसी बातें हैं, वह हम जानते हैं। लेकिन उसका विकास नहीं हो पाता है। जो जानते वह कर नहीं पाते। सच-झूठ, पाप-पूण्य सब जानते है, लेकिन कोम्प्रोमाइज करने लगे हैं। क्योंकि अन्दर से कमजोर हो गये हैं। केवल ज्ञान ही पूरता नहीं, ज्ञान के साथ-साथ शक्ति भी चाहिए। खुद अपने आपको अपसेट बना लेता है। साधन तो बढ़ते जा रहे हैं, साधना खत्म होती जा रही है। आध्यात्मिकता वह खुराक है, जो आत्मा को फिर से शक्तिवान बना सकती है। वास्तव में आप आत्मा है, अजर अमर अविनाशी चेतना की खुराक आध्यात्मिक ज्ञान है। इसे सुनने से और राजयोग का अभ्यास करने से हम फिर से शक्तिशाली बन अपने मालिक बन प्रशासन में भी सफल हो सकते हैं। अगर हम शक्तिशाली होंगे तो समस्यायें कमजोर हो जायेगी। आत्मिक स्मृति से आत्मिक वृत्ति और फिर कृत्ति अर्थात् श्रेष्ठ कर्म करने की कला आ जाती है।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि **डॉ. बी.सी. गुप्ता**, आई.ए.एस., फाइनान्सीयल कमिश्नर, को-ऑपरेशन, पंजाब सरकार, चण्डीगढ़ ने अपनी प्रेरणायें देते हुए कहा कि, सर्व समस्याओं का सामना करने के लिए हमें अपने स्टेट ऑफ माइण्ड पर ध्यान देना होगा। अपने मनोबल को बढ़ाने के लिए मेडिटेशन, रिलेक्सेसन हमें मदद करता है। साथ-साथ शारीरिक एक्सरसाइज, रमतगमत भी मदद करता है। उन्होंने यह भी बताया कि, आध्यात्मिकता के बगैर प्रशासन में सफल होना असम्भव है।

कार्यक्रम के अध्यक्ष **डॉ. जी. प्रसन्नाकुमार**, आई.ए.एस. फाइनान्सीयल कमिश्नर, पर्यावरण, हरियाणा सरकार, चण्डीगढ़ ने अपने अध्यक्षीय प्रवचन में बताया कि हमें अपने आपको शक्तिशाली बनाना होगा, बुराईयों के सामने ना झुककर, उसका सामना करने से ही सफलता मिलती है। प्रशासन करते समय यह भी ध्यान में रखना चाहिए कि हम कमजोर, गरीब लोगों को मदद करें। कोई मन्दिर, गुरुद्वारे में न जाये तो भी अपने मूल्यों के आधार पर वह आध्यात्मिक हो सकते हैं। आध्यात्मिकता सभी धर्मों से उपर है। जो भी आप दूसरों के लिए करेंगे, उनका फल आपको भी मिलेगा। किसी भी फाइल के पिछे व्यक्ति, संस्था या समाज होता है। मानव सेवा ही माधव सेवा समझना चाहिए। अच्छे कार्य से ही हमें सन्तोष प्राप्त होता है।

कार्यक्रम के अन्त में पंजाब ज़ोनल को-ऑर्डिनेटर **ब्रह्माकुमार करमचंद भाई** ने सभी का दिल से धन्यवाद अदा किया। कार्यक्रम का सुन्दर संचालन बहुत ही कुशलतापूर्वक भूवनेश्वर से पधारी **ब्रह्माकुमारी लीना बहन** ने किया। कार्यक्रम की शुरूआत में तथा अन्त में **बहन किरण दीप** जी के गृप ने बहुत सुन्दर गीत एवं कव्वाली प्रस्तुत किया। **कुमारी श्रुति** ने बहुत सुन्दर नृत्य द्वारा सभी का अभिवादन किया।

इस प्रकार यह प्रशासक वर्ग का सम्मेलन बहुत ही सफलता पूर्वक सम्पन्न हुआ।

ओम् शान्ति।

Sessions of Conference of Administrators, Managers & Executives held at Mohali/Ropar on 5th and 6th Nov.2009 organised by Administrators Service Wing of RERF & Brahma Kumaris Ishwariya Vishwa Vidyalaya, Mohali

Date/	Time.	Organisation	Topics.	Speakers
5.11.2009				
1.	10-11 AM	Tynor Orthotics Ltd.Mohali	Mind management & Role of meditation in stress management.	BK Veena(Sirsi) BK Seema ORC BK Harish(Abu)
2.	10-11 AM	Centre for Management Training & Research(CMTR) (Kharar)	Role of meditation in stress management.	BK Renu(Jodhpur) BK Ranjana(ORC)
3.	12-1 PM	C-D.A.C. (Mohali)	Value based & stress free administration	BK Veena(Sirsi) BK Ranjana(ORC)
4.	12-1 PM	NIPER (Mohali)	Positive thinking.	BKRenu(Jodhpur) BK Seema(O.R.C)
5.	2-4 PM	Punjab Business College. Chuni Kalan.	Stress Management & positive thinking	BKVeena(Sirsi) BK Harish(Abu)
6.	5-6 PM	Swaraj Division(PTL) (Mohali)	Role of meditation in stress management.	BK Renu(Jodhpur) BK Ranjana(ORC)
7.	5.30-6.30PM	Idea Mobile (Mohali)	Value based & stress free administration.	BK Urmil(Delhi) BK Seema(ORC)
8.	11-12 Noon.	Swaraj Mazda Ltd.Ropar.	Role of meditation in stress management	BKLeena (Bhuvneshwar) BK Nikky(ORC)
9.	2-3 PM	Rayat & Bahra Group of Institutes(Ropar)	Need of human & moral values in modern Life.	BK Leena(Bhuvnesh war) BK Nikky(ORC)
10.	4-5 PM	Ambuja Cement Ltd.(Ropar)	Value based and stress free administration.	BK Leena,Bhuvnesh War) BK Nikky(ORC)
6.11.09				
11.	11-12.30	Ranbaxy Labs. Ltd (Mohali)	Role of meditation in stress free administ ration.	BKAsha(ORC) BK Ranjana(ORC) BK Harish(Abu)
12	11- 12.	Philips Electronics P.Ltd.(Mohali)	-do-	BKRenu(Jodhpur) BKNikky(ORC)
13	11.30-12.30.	J.A.L.	Mind management & & time management.	BK Leena (Bhuvneshwa BK Nikky(ORC)
14.	11-12	Diplast Plastics Ltd.(Mohali)	Conflict Resolution Crisis Management& Harmony in relationship.	BK Urmil(Delhi) BK Veena(Sirsi)
15.	5.30-8.30 PM.	Valedictory Session- Sukh Shanti Bhawan	Role of spirituality for better administration	BK.Asha//BK Harish/ BK Premlata/BK Leena/BK Urmil/ BK Amir Chand / BK KaramChand